की रक्त जांच कर उन्हें जरूरी उपचार किये जा रहे हैं। जाँच में जो भी एनीमिक पाए जाते हैं। उन्हें आयरन की गोली सहित अन्य जरूरी दवाएं दी जाती है। साथ ही उन्हें खाने में क्या-क्या घरेलू चीजें लेनी हैं, इसकी जानकारी दी जा रही है।

3. **आत्म निर्भर भारत** अभियान में 7400 महिलाओं को उपकरण तथा 750 छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

## सम्पर्क :-

(अ) **संस्कृति सप्ताह** - देशभर में शाखा स्तर पर सितम्बर माह में संस्कृति सप्ताह के अन्तर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएँ, कार्यक्रमों का आयोजन बड़ी धूमधाम से किया जाता है।

(ब) **परिषद् स्थापना दिवस** - 10 जुलाई को प्रति वर्ष परिषद् स्थापना दिवस मनाया जाता है जिसमें सदस्यों के साथ जन सहभागिता के बड़े-बड़े कार्यक्रमों का आयोजन देश के प्रमुख स्थानों पर किया जाता है।

(स) **संगोष्ठी/सेमिनार** - परिषद् द्वारा सम-सामयकि विषयों पर विशेषज्ञों के प्रस्तुतिकरण के आधार पर चिन्तन-मनन, दिशा-निर्देशन एवं जन-अनुभूति को प्रभावित करने की दृष्टि से सामाजिक हित में जागरूकता हेतु समय-समय पर संगोष्ठियाँ/सेमिनारों का आयोजन किया जाता है।

(द) **प्रकाशन** - भारत विकास परिषद् की मासिक पत्रिका 'नीति' और त्रैमासिक पत्रिका 'ज्ञान प्रभा' का प्रकाशन निरन्तर किया जा रहा है। साथ ही भारत को जानो एवं राष्ट्रीय चेतना के स्वर की पुस्तकें तथा अन्य पत्रिकाओं का भी प्रकाशन प्रति वर्ष होता है।

## विशेष

**(घ) परिषद् की वेबसाइट एवं सोशल मीडिया**

वेबसाइट - www.bvpindia.com and
फेसबुक - https://www.facebook.com/bvporg
प्रकाशन ऐप - "BVP Publication"
इंस्टाग्राम - https://www.instagram.com/bvporg
ट्विटर - https://www.twitter.com/bvporg
यूट्यूब - https://www.youtube.com/c/VikasVarta
उपलब्ध है।

(न) **केन्द्रीय कार्यालय** - भारत विकास परिषद् का केन्द्रीय कार्यालय दिल्ली में है। आगामी कुछ वर्षों में 10 क्षेत्रीय कार्यालय बनाने और चलाने की योजना है जिनमें से जयपुर, पठानकोट और लखनऊ में कार्यालय का निर्माण कार्य पूर्ण होने वाला है।

## हमारी उपलब्धियाँ :-

- वर्ष 1995 में देश के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा ने भारत विकास परिषद् द्वारा विकलांग व्यक्तियों के कल्याण के लिए उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु विकलांग सहायता केंद्र, दिल्ली को 'राष्ट्रीय पुरस्कार' प्रदान किया।
- वर्ष 2004 में देश के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम द्वारा विकलांग व्यक्तियों के कल्याण हेतु परिषद के विकलांग सहायता केंद्र को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया।
- वर्ष 2007 में देश के तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने भारत विकास परिषद् दिव्यांग सहायता केंद्र लुधियाना को शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्यिों के सशक्तिकरण के लिए फिक्की पुरस्कार से सम्मानित किया।
- वर्ष 2008 में देश के तत्कालीन राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल ने घरों, स्कूलों, आंगनवाड़ियों में पूर्ण स्वच्छता कवरेज प्राप्त करने और ग्रामीण स्वच्छता को बढ़ावा देने में उत्कृष्ट योगदान के लिए 17 अक्टूबर, 2008 को भारत विकास परिषद् द्वारा गोद लिए गए मुहब्बतपुर गांव को "निर्मल ग्राम पुरस्कार" प्रदान किया।
- 10 दिसंबर 2017 को एन.डी.एम.सी. कन्वेशन सेन्टर में राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रुप महामहिम राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद जी ने भारत विकास परिषद् की भूरि-भूरि प्रंशसा की।
- 22 नवम्बर 2021 को देश के सबसे प्रतिष्ठित विज्ञान भवन के सभागार में डॉ. सूरज प्रकाश जन्म शताब्दी वर्ष का वृहद एव भव्य आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में माननीय श्री मोहन भागवत जी पूज्यनीय सरसंघचालक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

Print by : Deeya Media Art # 09312550335

**भारत विकास परिषद्**
**भारत विकास भवन, बी.डी. ब्लाक डी.डी.ए. मार्केट के पीछे, पावर हाउस मार्ग, पीतमपुरा, दिल्ली-110034**
दूरभाष : 011-27313051, 27316049, 27314515
ई मेल-bvp@bvpindia.com वेबसाइट : www.bvpindia.com

**भारत विकास परिषद् से सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए परिषद् की वेबसाईट www.bvpindia.com को देखें।**

सम्पर्क ❖ सहयोग ❖ संस्कार ❖ सेवा ❖ समर्पण

# भारत विकास परिषद्
# Bharat Vikas Parishad

## परिचय

**भारत विकास परिषद् प्रकाशन**

स्वस्थ-समर्थ-संस्कारित भारत ❖ **Swasth-Samarth-Sanskarit Bharat**

# परिचय

## क्या है भारत विकास परिषद् :-

भारत विकास परिषद् समाज के प्रबुद्ध, सम्पन्न एवं प्रभावी देशभक्त व्यक्तियों का एक गैर राजनैतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक राष्ट्रीय संगठन है जो अपने सदस्यों के माध्यम से समाज के वंचित वर्ग की सेवा तथा नवीन पीढ़ी में देशभक्ति के संस्कारों द्वारा समाज परिवर्तन के कार्य में संलग्न है।

## भारत विकास परिषद् का उद्देश्यः-

हमारा उद्देश्य है कि समाज के उच्च, प्रबुद्ध एवं सम्पन्न वर्ग को सुसंगठित कर उनके हृदय में समाज के वंचित, असमर्थ एवं अशिक्षित वर्ग के प्रति संवेदनशीलता का जागरण कर उनके प्रति अपना मानवीय दायित्व समझकर निःस्वार्थ सेवा करने हेतु तत्पर करना एवं समाज की भावी पीढ़ी को सुसंस्कारित करना जिससे भविष्य में वे देश के श्रेष्ठ नागरिक बन कर देश का सकारात्मक नेतृत्व करने में सक्षम तथा समर्थ बन सकें।

## भारत विकास परिषद् के कार्य :-

वर्तमान में कार्य की दृष्टि से सम्पूर्ण देश को 10 क्षेत्रों (रीजन) में विभाजित किया गया है। गत वर्ष 79 प्रान्तों में 1433 शाखा तथा 66620 सदस्य हैं। सम्पूर्ण देशभर में संगठनात्मक ढांचे में राष्ट्रीय कोर कमेटी, राष्ट्रीय परिषद्, राष्ट्रीय कार्यकारिणी, क्षेत्रीय परिषद्, क्षेत्रीय कार्यकारिणी, प्रान्तीय परिषद्, प्रान्तीय कार्यकारिणी तथा शाखा कार्यकारिणी रहती है जो वर्षभर अपनी विभिन्न बैठकों, अधिवेशनों, कार्यक्रमों, कार्यशालाओं तथा अभियानों आदि के माध्यम से गतिशील रहती है।

## संस्कार :-

1. **राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता (NGSC)** विद्यालय स्तर पर होने वाली इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में विद्यालय, शाखा, प्रान्त, क्षेत्र एवं राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिवर्ष हजारों विद्यार्थी सहभागी होते हैं।
2. **भारत को जानो प्रतियोगिता** के नाम से सम्पूर्ण भारत वर्ष में होने वाली इस सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में विभिन्न स्तरों पर लाखों विद्यार्थी भाग लेते हैं जिसके लिए हजारों प्रश्नों की पुस्तक हिन्दी/अंग्रेजी में छपाई जाती है और विद्यार्थियों को तैयारियों के लिए उपलब्ध करवाई जाती है।
3. **गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन** विद्यालयों में श्रेष्ठ शिक्षकों का सम्मान एवं श्रेष्ठ विद्यार्थियों को प्रोत्साहन हेतु देशभर में हजारों कार्यक्रमों का आयोजन होता है। जिसके माध्यम से अपने गुरु के प्रति विद्यार्थियों का आदर श्रद्धा का संस्कार विकसित होता है।
4. **हिन्द की चादर गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस** पर उनके बलिदान के प्रति श्रद्धा एवं सम्मान बढ़ाने हेतु देशभर में विभिन्न शाखाओं पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है।

## सेवा :-

1. **दिव्यांग कल्याण सहायता एवं पुर्नवास योजना** - देशभर में भारत विकास परिषद् द्वारा दिव्यांग सहायता के लिए 13 केन्द्रों का संचालन होता है। जिनमें अब तक कुल 2,97,030 अंगों का वितरण किया जा चुका है। साथ ही उनको उपकरणों और रोजगार दिलाकर पुर्नवास में सहायता प्रदान की जाती है।
2. **समग्र ग्राम विकास योजना** -भारत विकास परिषद् की ओर से 'जिन्दल फाउण्डेशन, कनाडा के सहयोग से अब तक देश में 19 राज्यों के 64 गाँवों को गोद लेकर ''समग्र ग्राम विकास'' करवाया जा रहा है।
3. **स्थायी प्रकल्प** - भारत विकास परिषद् की विभिन्न शाखाएँ देशभर में शिक्षा - 237, स्वास्थ्य - 413, स्वावलम्बन - 355 तथा सामा. जिक - 675 स्थाई प्रकल्पों का संचालन करता है। जिसमें प्रमुख हैं -

i. भारत विकास परिषद् अस्पताल और अनुसंधान केन्द्र, कोटा (राजस्थान)- भारत विकास परिषद् कोटा अस्पताल 54000 वर्ग फुट में फैला 350 से अधिक बिस्तरों वाला सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल है, जिसमें 78 परामर्शदाता चिकित्सा विशेषज्ञ और 442 कर्मचारी चौबीसों घंटे 365 दिन सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। अस्पताल में डेंटल, ऑर्थोपेडिक, पीडियाट्रिक, गाइनी, जनरल फिजिशियन, ईएनटी, कार्डियोलॉजी, फिजियोथेरेपी, न्यूरोसर्जरी, न्यूरो फिजिशियन, यूरोलॉजी, कैंसर ट्रीटमेंट, स्किन, डायटीशियन शामिल हैं। पैथोलॉजिकल डायग्नोसिस, कलर डॉप्लर, टीएमटी, एंजियोग्राफी, सोनोग्राफी, डिजिटल एक्स-रे आदि सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसके अलावा यहाँ 3 वर्षी नर्सिंग पठ्यक्रम एवं नर्सिंग कालेज द्वारा 4 वर्षीय प्रशिक्षण का कोर्स कराया जाता है। भारत विकास आयुर्विज्ञान संस्थान (BVIMS) प्रस्तावित है।

ii. भारत विकास परिषद् मेडिकल सेन्टर चण्डीगढ़ - परिषद् की आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित डायग्नोस्टिक सेंटर जहां पर पैथोलॉजिकल लैब, एम.आर.आई. सेंटर, सी.टी. स्कैन सेंटर, अल्ट्रासाउंड सेंटर, एक्स-रे सेंटर, कार्डियक सेंटर, नेत्र चिकित्सा सहित अन्य निदान और उपचार सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। ओपीडी में स्त्री रोग, सामान्य चिकित्सा, हड्डी रोग, त्वचा, बाल रोग, परामर्श और नुस्खे के लिए परामर्श प्रदान कर रहा है।

iii. भारत विकास परिषद् चैरिटेबल ट्रस्ट लुधियाना - भारत विकास परिषद् चैरिटेबल ट्रस्ट अस्पताल लुधियाना में 45 स्टाफ के साथ चल रहा है। अस्पताल नैचरोपैथी चिकित्सा केंद्र, होम्योपैथी केंद्र, सामान्य चिकित्सा, बाल चिकित्सा, स्त्री रोग, नेत्र विभाग, दंत विभाग, एक्यूप्रेशर और एक्यूपंक्चर भी प्रदान कर रहा है

iv. भारत विकास परिषद् फर्नवास केन्द्र एवं संजय आनन्द विकलांग अस्पताल और अनुसंधान केन्द्र पटना : यह प्रोस्थेटिक और ऑर्थोटिक्स का सुपर स्पेशलिटी सेंटर है। यहां पर पोलियो कॉरेक्टिव एवं इन्नोवेटिव सर्जरी और अस्थि विकलांग शल्य चिकित्सा इकाई के साथ-साथ अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ फिजियोथेरेपी केंद्र है। जहाँ पर कृत्रिम अंग वितरण, कॉरेक्टिव सर्जरी, शल्य चिकित्सा शिविर, विकलांग सहायता शिविर एवं ट्राइसाइकिल तथा व्हीलचेयर वितरित किये जाते हैं। इसके अलावा केंद्र द्वारा न्यूरो-थेरेपी की सेवाएं भी प्रदान की जाती है।

v. भारत विकास परिषद् विवेकानन्द आयोग्य केन्द्र गुरुग्राम - भारत विकास परिषद् विवेकानंद आरोग्य केंद्र गुरुग्राम में निम्नलिखित स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैंः कॉर्डियोलॉजी, सामान्य चिकित्सा, सामान्य सर्जन, स्त्री रोग, नेत्र चिकित्सा, फिजियोथैरेपी, पल्मोनोलॉजी और न्यूरोलॉजी। इसके अलावा डायलिसिस, अल्ट्रासाउंड, एक्स-रे, इको, टीएमटी, पीएफटी, ईसीजी, ईईजी, मेमोग्राफी, ओपीजी और होल्टर टेस्ट की सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं।

vi. दिव्यांग सहायता केन्द्र दिल्ली : प्रति वर्ष इस केन्द्र के माध्यम से दिव्यांगों को कृत्रिम अंग, नेत्र ऑपरेशन आदि निःशुल्क किये जाते हैं।

vii. जेनेरिक मेडिसिन सुविधा केन्द्र हैदराबाद - भारत विकास परिषद् चैरिटेबल ट्रस्ट हैदराबाद (तेलंगाना) में ''भारत विकास संजीवनी जेनेरिक मेडिकल स्टोर'' कुशल फार्मासिस्टों द्वारा संचालित किया जा रहा हैं। यह जेनेरिक दवाएं मार्केट में उपलब्ध मेडिकल स्टोरों की तुलना में बहुत कम दर पर प्रदान की जा रही हैं।

viii. डॉ. सूरज प्रकाश आरोग्य केन्द्र, फरीदाबाद - यह केन्द्र लगभग 40 करोड़ की लागत से 7 मंजिला भवन में डायलिसिस सीटी स्केन, अल्ट्रासाउण्ड एक्स-रे, डेन्टल, आँखों की ओपीडी एवं सर्जरी, पैथ लैब तथा फिजियोथेरेपी की सेवाएँ प्रदान की जा रही है।

4. **सामूहिक सरल विवाह** - परिषद् द्वारा समाज में समरसता भाव के विकास में सहयोग किया जा रहा है। बेटी के विवाह में आर्थिक रुप से कमजोर का साथ देकर सबल वर्ग सामाजिक सुरक्षा के नए आयाम स्थापित कर रहा है। भारत विकास परिषद् प्रत्येक साल गरीब एवं जरुरतमंद युवा लडके लडकियाँ के सामूहिक सरल विवाह का आयोजन करती है। गत वर्ष देशभर में विभिन्न शाखाओं ने 330 जोड़ों का विवाह सम्पन्न करवाया है।
5. **पर्यावरण संरक्षण** - गत वर्ष देशभर में 3,27,365 पौधे लगाये गए तथा विभिन्न अभियान चलाये गए।
6. **स्वास्थ्य सेवा** - गत वर्ष देशभर में हुए स्वास्थ्य जांच शिविरों में कुल 2,30,898 लोग लाभांवित हुए।

## महिला एवं बाल विकासः

इस प्रकल्प के अन्तर्गत जागरूकता अभियान एवं कार्यक्रमों का संचालन किये जाते हैः-

1. **बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ :** देश में भारत विकास परिषद् की शाखाओं द्वारा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम पर जागरूकता रैली तथा प्रशिक्षण के कार्यक्रम महिला सदस्यों के नेतृत्व में लगातार आयोजित किये जा रहे है। परिषद् की शाखाओं के द्वारा लड़कियों के बारे में जागरूकता, कन्या भ्रूण हत्या के खिलाफ जनजागरण, लड़कियों को समान महत्व देने से इस योजना के सकारात्मक परिणाम आ रहे है। इसके साथ ही लड़कियों के व्यक्तिव विकास, सामाजिक यौन अपराधों के प्रति जागरूकता, गुणवत्तापूर्ण विकास, पारिवारिक संस्कार तथा व्यवसायिक कार्य स्थल संबंधी समस्याओं के प्रशिक्षण के प्रयास किया जाने अपेक्षित है। विद्यालयों में सेनेटरी नैपकीन वेडिंग मशीन स्थापित किये जाते हैं।
2. **एनीमिया मुक्त भारत :** भारत विकास परिषद् ने अक्टूबर 2020 में इस अभियान का शुभारम्भ किया। इसके तहत भारत विकास परिषद् की शाखाएँ, गांव-गांव जाकर पांच वर्ष तक के बच्चों और 15 से 49 आयुवर्ग की महिलाओं